

## VII. समष्टि आर्थिक परिदृश्य

अनेक सर्वेक्षणों से पता चलता है कि कारोबार विश्वास में सुधार होना शुरू हो गया है, यद्यपि यह अभी भी कमजोर बना हुआ है। 2013-14 में वृद्धि संभवतः पूर्व में किए गए पूर्वानुमानों की तुलना में थोड़ा कम है क्योंकि इसमें अभी सुधार होना शेष है। बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं का सहयोग करने के लिए विश्वास और कार्रवाइयों के चलते 2014-15 में धीमी गति से सुधार हो सकता है, बशर्ते कि ये कार्रवाइयां बनी रहें। मुद्रास्फीति ने दिसंबर में गिरावट के संकेत दिए हैं और ये चौथी तिमाही में कम हो सकती है किंतु 2014-15 में जोखिम में बढ़ोतरी हो सकती है। लगातार अधिक मुद्रास्फीति बने रहने से मध्यावधि में वृद्धि के लिए जोखिम पैदा हो सकता है, भले ही, 2013-14 की तीसरी तिमाही के दौरान बढ़े चालू खाता घाटे में कमी नीतिगत प्रतिक्रियाओं के जरिए आई हो।

### सर्वेक्षण से पता चलता है कि विश्वास में सुधार हुआ है

VII.1 जैसा कि अनेक कारोबार सूचकांकों में ति-द-ति वृद्धि में दर्शाया गया है कि कारोबार विश्वास में सुधार हुआ है (सारणी VII.1)। इन सर्वेक्षणों से पता चलता है कि बेहतर निवेश की संभावना, बिक्री में सुधार, नए आदेश और निर्यात निष्पादन में सुधार होने से आशावादी सोच में बढ़ोतरी हुई है। तथापि, कमजोर मांग, राजनीतिक अस्थिरता और उच्च मुद्रास्फीति बढ़ती आशावादी सोच के लिए हानिकर कारक के रूप में सामने आए हैं। सेवाओं के लिए समायोजित एचएसबीसी मार्किट क्रय प्रबंधक - सूचकांक दिसंबर

सारणी VII.1: प्रत्याशा सर्वेक्षण में सुधार का संकेत  
कारोबार प्रत्याशा सर्वेक्षण

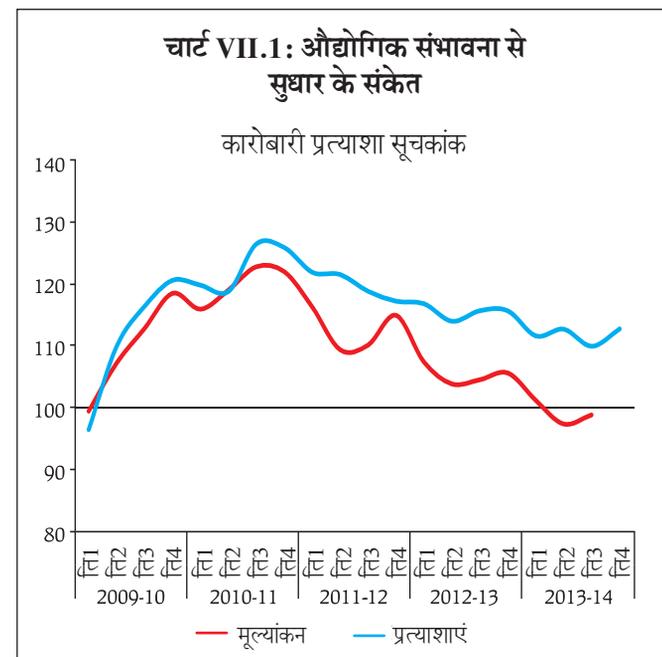
अवधि सूचकांक	एनसीईईआर कारोबार विश्वास सूचकांक जनवरी 2014	फिक्की समग्र कारोबार विश्वास सूचकांक ति.2: 2013-14	डन एंड ब्रैडस्ट्रीट कारोबार विश्वास सूचकांक ति.1: 2014	सीआईआई कारोबार विश्वास सूचकांक ति.3: 2013-14
1	2	3	4	5
सूचकांक का वर्तमान स्तर	122.3	59.3	157.2	54.9
पिछले सर्वेक्षण के अनुसार सूचकांक	100.4	49.0	134.9	45.7
एक वर्ष पूर्व सूचकांक का स्तर	119.7	62.4	146.8	49.9
क्रमिक प्रतिशत परिवर्तन (तिमाही-दर-तिमाही)	21.8	21.0	16.6	20.1
प्रतिशत परिवर्तन (वर्ष-दर-वर्ष)	2.2	-5.0	7.1	10.0

2013 में मौसमी आधार पर संकुचित बना रहा जबकि विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में विस्तार देखा गया।

### औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण कारोबार परिदृश्य में मामूली सुधार को दर्शाता है

VII.2 नवंबर-दिसंबर 2013 के दौरान आयोजित रिजर्व बैंक के 64वें दौर के औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण (<http://www/rbi.org.in/IOS64>) से पता चलता है कि मूल्यांकन के संदर्भ में 2013-14 की तीसरी तिमाही के लिए कारोबार प्रत्याशा सूचकांक में मामूली सुधार हुआ है, किंतु, विस्तार से संकुचन को अलग करने वाली निर्धारित सीमा 100 से अभी भी कम है। प्रत्याशाओं के आधार पर, सूचकांक से पता चलता है कि पिछली तिमाही की तुलना में 2013-14 की चौथी तिमाही में सुधार हुआ है (चार्ट VII.1)।

VII.3 मांग पक्ष के अनेक घटकों से संबंधित निवल उत्तरों का विश्लेषण करने से पता चलता है कि 2013-14 की चौथी तिमाही के दौरान उत्पादन, आदेश बहियों, क्षमता उपयोग, निर्यात और आयात के संबंध में उत्तरदाताओं की धारणाओं में मामूली सुधार हुआ है। 2013-14 की चौथी तिमाही के लिए मांग संभावना से आशावादी सोच में सुधार हुआ है। 2013-14 की चौथी तिमाही के दौरान समग्र वित्तीय स्थिति से संबंधित नजरिए में भी सुधार देखा गया है (सारणी VII.2)।



### सारणी VII.2: कारोबार विश्वास में वृद्धि रिजर्व बैंक का औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण

मानदंड	आशावादी उत्तर	निवल उत्तर*										
		अक्तूबर-दिसंबर		जनवरी-मार्च		अप्रैल-जून		जुलाई-सितंबर		अक्तूबर-दिसंबर		जनवरी-मार्च
		2012		2013		2013		2013		2013		2014
		प्र.	मू.	प्र.	मू.	प्र.	मू.	प्र.	मू.	प्र.	मू.	प्र.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1. कारोबार की समग्र स्थिति	बेहतर	32.2	17.2	37.5	18.4	29.6	12.8	30.0	7.4	25.7	9.6	31.5
2. समग्र वित्तीय स्थिति	बेहतर	25.8	12.7	27.0	11.8	21.9	9.5	24.1	1.8	17.3	6.4	23.5
3. उत्पादन	वृद्धि	35.7	18.6	37.1	18.6	24.4	9.8	28.5	10.8	28.9	11.5	32.1
4. आदेश बढ़ी	वृद्धि	30.3	12.9	29.8	14.0	22.3	9.7	25.3	5.5	21.0	7.0	27.6
5. क्षमता का उपयोग	वृद्धि	20.0	5.7	21.7	7.8	11.7	2.3	15.9	0.0	14.2	1.3	16.3
6. निर्यात	वृद्धि	18.0	9.3	18.4	10.8	16.7	8.6	18.6	7.8	16.5	10.9	19.5
7. आयात	वृद्धि	14.0	8.8	13.5	8.3	11.9	8.0	11.2	3.6	7.7	7.0	13.4
8. कंपनी में रोजगार	वृद्धि	13.3	6.7	10.3	5.5	8.0	3.2	7.7	-0.2	4.5	0.4	7.0
9. वित्त की उपलब्धता (आंतरिक वास्तविक से)*	सुधार			12.1	18.7	10.8	17.2	3.1	14.0	7.6	18.4	
10. वित्त की उपलब्धता (बैंक और अन्य स्रोतों से)*	सुधार			13.4	15.3	12.1	15.2	3.9	12.0	8.7	14.2	
11. वित्त की उपलब्धता (विदेश से)*	सुधार			3.4	6.3	5.0	7.0	-0.1	2.9	3.9	8.1	
12. बाह्य वित्त की लागत	कमी	-20.6	-24.4	-18.1	-17.6	-14.3	-14.5	-12.4	-32.7	-28.3	-32.0	-26.7
13. कच्चे माल की लागत	कमी	-48.6	-50.7	-45.0	-53.5	-45.6	-49.9	-43.4	-62.2	-51.5	-55.3	-46.3
14. बिक्री मूल्य	वृद्धि	17.3	10.2	15.8	9.1	14.9	7.3	12.1	11.3	13.9	7.8	15.1
15. लाभ मार्जिन	वृद्धि	-1.3	-16.7	-2.0	-15.3	-4.9	-18.4	-3.7	-24.1	-9.3	-22.4	-4.0

#: 'निवल उत्तर' की गणना 'आशावादी' (सकारात्मक) और 'निराशावादी' (नकारात्मक) धारणा की सूचना देने वाली कंपनियों के प्रतिशत हिस्से के अंतर के अनुसार की गयी है; यथापूर्व स्थिति (कोई परिवर्तन नहीं) के रूप में दी गयी सूचना को हिसाब में नहीं लिया गया है। उच्चतर 'निवल उत्तर' विश्वास के उच्चतर स्तर को और निम्नतर निवल उत्तर इसकी विपरीत स्थिति को दर्शाता है।

प्र: प्रत्याशा, मू.: मूल्यांकन

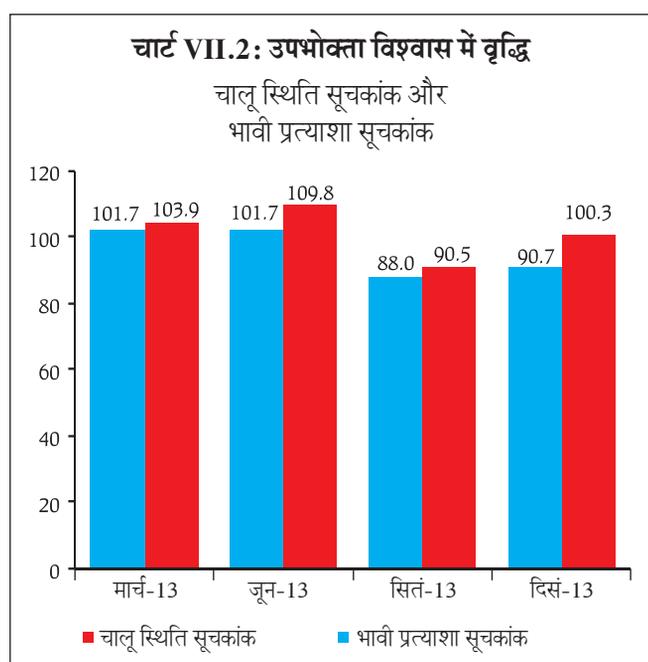
\* : 61वें दौर (जनवरी-मार्च 2013) में लागत की उपलब्धता संबंधी प्रश्न ( आंतरिक और बाह्य दोनों स्रोतों) को विभाजित करके इन प्रश्नों को जोड़ा गया है।

#### उपभोक्ताओं के विश्वास से सुधार के संकेत मिलते हैं

VII.4 जैसाकि चालू स्थिति सूचकांक (सीएसआई) और भावी प्रत्याशा सूचकांक (एफआईआई) में दर्शाया गया कि दिसंबर 2013 में रिजर्व बैंक द्वारा किए गए 15वें दौर के उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण (<http://www.rbi.org.in/CCS15>) के उपभोक्ता विश्वास में सुधार के संकेत मिले हैं (चार्ट VII.2)।

#### बाह्य एजेंसियों ने भारत के वृद्धि संबंधी पूर्वानुमान में कमी की है

VII.5 अनेक बाह्य एजेंसियों ने भारत के वृद्धि संबंधी पूर्वानुमान में कमी की है। तथापि, विश्व बैंक और आईएमएफ ने मामूली वृद्धि करते हुए संशोधन किया है (सारणी VII.3)। आईएमएफ ने भारत की 2014-15 में वृद्धि 5.4 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान लगाया है जबकि विश्व बैंक ने 6.2 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान लगाया है।



**सारणी VII.3: वृद्धि पूर्वानुमान में अधोमुखी संशोधन  
2013-14 के लिए एजेंसियों के पूर्वानुमान**

एजेंसी	अद्यतन पूर्वानुमान		पूर्ववर्ती पूर्वानुमान	
	जीडीपी वृद्धि (प्रतिशत)	माह/वर्ष	जीडीपी वृद्धि (प्रतिशत)	माह/वर्ष
1	2	3	4	5
वित्त मंत्रालय प्रधानमंत्री की अर्थिक सलाहकार परिषद	5.0-5.5	सितं. 2013	6.1-6.7	फर. 2013
अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष *	5.3	सितं. 2013	6.4	अप्रै. 2013
विश्व बैंक	4.6	जन. 2014	4.3	अक्टू. 2013
ओईसीडी **	4.8	जन. 2014	4.7	अक्टू. 2013
एशियाई विकास बैंक	3.4	नव. 2013	5.3	मई 2013
एनसीईआर	4.7	नव. 2013	4.7	अक्टू. 2013
	4.8-5.3	नव. 2013	5.9	अग. 2013

\*: अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का बाजार मूल्य पर पूर्वानुमान 4.4 प्रतिशत है।

\*\*: जीडीपी बाजार मूल्य पर

**पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं के सर्वेक्षण में 2014-15 में मामूली सुधार का संकेत मिलता है<sup>1</sup>**

VII.6 रिजर्व बैंक द्वारा किये गये 26वें दौर के 'पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं के सर्वेक्षण' (<http://www/rbi.org.in/SPF18>) से 2013-14 के दौरान वृद्धि अपने निम्नतम स्तर पर रहने का संकेत मिलता है और 2014-15 में 5.6 प्रतिशत के साथ

वृद्धि में मामूली सुधार का संकेत मिलता है। सीपीआई मुद्रास्फीति लगातार बनी रहने की संभावना है और 2014-15 की दूसरी तिमाही में औसत कम होकर 8.9 प्रतिशत रहने की संभावना है और पूरे वर्ष के दौरान औसतन 8.5 प्रतिशत रह जाने की संभावना है। 2013-14 के लिए विश्वास प्रत्याशा में कोई परिवर्तन नहीं देखा गया है जबकि प्रत्याशित डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी का संकेत मिलता है। 2013-14 के लिए चालू खाता घाटा में पूर्व में किए गए अनुमान 3.5 प्रतिशत से काफी कम करके 2.7 प्रतिशत कर दिया गया है (सारणी VII.4)।

**परिवारों की सन्निकट मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं में मामूली गिरावट आई**

VII.7 परिवारों की मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं से संबंधित सर्वेक्षण (आईईएसएच दौर 34) (<http://www/rbi.org.in/IESH34>) के नवीनतम दौर से पता चलता है कि परिवारों की माध्यिक मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं से तीन महीने की आगे की धारणाओं में गिरावट आई एक वर्ष की आगे की धारणाओं में पिछली तिमाही की तुलना में समान स्तर पर बनी रही (चार्ट VII.3)।

**सारणी VII.4: रिजर्व बैंक के बाहर के पूर्वानुमानकर्ताओं का अनुमान है कि 2014-15 में वृद्धि में सुधार होगा और मुद्रास्फीति बनी रहेगी पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा चुनिंदा समष्टि आर्थिक संकेतकों का माध्यिक पूर्वानुमान - 2013-14 और 2014-15**

1	वास्तविक 2012-13	वार्षिक पूर्वानुमान				तिमाही पूर्वानुमान									
		2013-14		2014-15		2013-14				2014-15					
		पि.	अ.	पि.	अ.	ति3		ति4		ति1		ति2		ति3	
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	
कारकलागतपर वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर (प्रतिशतमें)	5.0	4.8	4.8	5.8	5.6	5.0	5.0	5.0	5.2	5.6	5.3	5.8	5.6	-	5.6
क.कृषि और संबद्ध गतिविधियां	1.9	3.7	4.1	3.0	2.9	4.1	5.0	4.4	4.8	3.0	3.4	3.0	3.0	-	3.0
ख.उद्योग	1.2	1.3	1.5	3.8	3.6	1.4	1.5	2.1	2.0	3.4	3.0	3.3	3.2	-	3.7
ग.सेवाएं	6.8	6.2	6.2	7.0	7.0	6.5	6.2	6.5	6.3	6.9	6.5	7.0	6.8	-	7.2
2. सकल देशी बचत ( चालू बाजार मूल्यों पर जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	-	30.0	30.5	31.0	31.0	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. औसत डब्ल्यूपीआई-मुद्रास्फीति	7.4	6.0	6.4	5.5	6.0	6.5	-	6.5	6.6	6.5	6.8	5.8	6.0	-	5.5
4. औसत सीपीआई-मिश्रित मुद्रास्फीति *	10.2	-	9.9	-	8.5	-	-	-	9.7	-	9.5	-	8.9	-	8.0
5. विनिमय दर (भा.₹/ 1अम.डॉलर अवधि के अंत में)	54.4	-	-	-	-	62.0	-	60.8	61.9	60.9	61.5	61.0	61.5	-	61.0
6. 10 वर्षीय परिपक्वता अवधि वाली केंद्रीय सरकार की प्रतिभूति का प्रतिलाभ (प्रतिशत - अवधि के अंत में)	8.0	8.3	8.5	7.9	8.1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7. पण्य निर्यात (वृद्धि दर, प्रतिशत में)!	-1.0	3.8	6.3	8.9	8.9	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8. पण्य आयात (वृद्धि दर, प्रतिशत में)!	0.5	-1.9	-3.7	6.4	7.6	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. व्यापार शेष (बिलियन अमरीकी डॉलर)	-195.7	-	-	-	-	-45.6	-36.3	-42.5	-36.9	-46.0	-41.7	-47.6	-38.3	-	-41.6
10. चालू खाता घाटा (जीडीपी का प्रतिशत)	4.8	3.5	2.7	3.3	2.8	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा (जीडीपी का प्रतिशत)	4.9	5.0	5.0	4.7	4.7	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

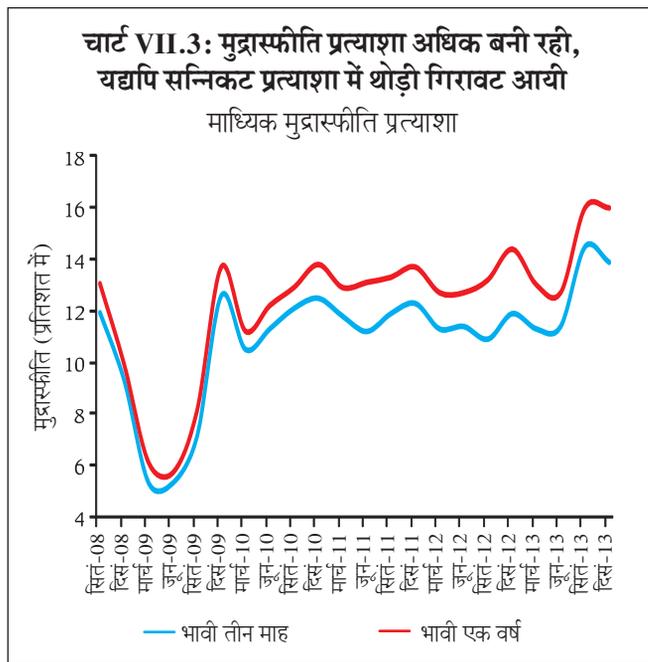
पि. : पिछले दौर का पूर्वानुमान अ. : अद्यतन दौर का पूर्वानुमान - : उपलब्ध नहीं !: अमरीकी डॉलर में बीओपी आधार पर

\* संयुक्त सीपीआई से संबंधित पूर्वानुमान केवल 26वें दौर अर्थात चालू दौर से शामिल किए गए हैं।

टिप्पणी: अद्यतन दौर का संदर्भ दिसंबर 2013 की तिमाही के अंत के 26वें दौर से है जबकि पिछला दौर का संदर्भ सितंबर 2013 की तिमाही के अंत के 25वें दौर से है।

स्रोत: पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं का सर्वेक्षण, ति.3, 2013-14

<sup>1</sup> पूर्वानुमान में दिए गए विचार पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं के हैं, न कि रिजर्व बैंक के।



उत्पादन के लिए निर्यात निष्पादन और अनकूल संभावना में सुधार के बावजूद 2013-14 के लिए जीडीपी वृद्धि दूसरी तिमाही की समीक्षा के समय पूर्वानुमानित 5.0 प्रतिशत के केंद्रीय अनुमान से थोड़ा कम रह सकती है।

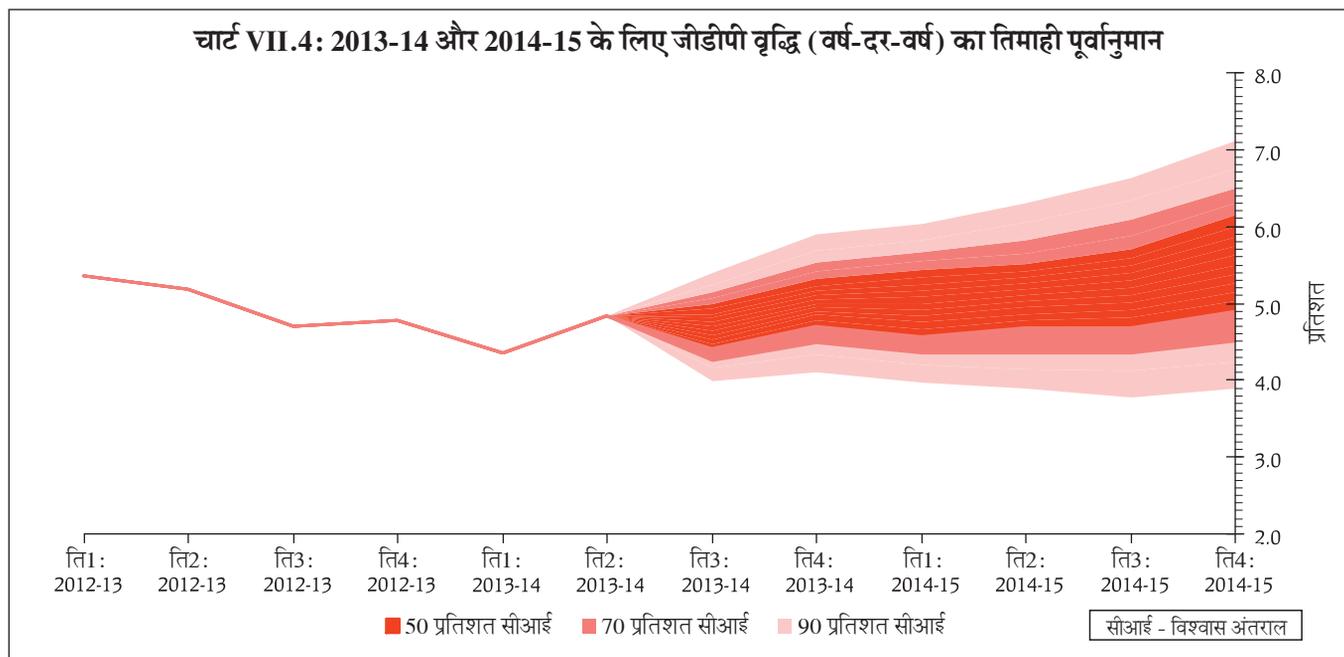
VII.9 वर्ष 2014-15 रिजर्व बैंक का मूल्यांकन यह है कि धीरे-धीरे सुधार शुरू हो गया है, यद्यपि इसे बनाए रखने के लिए आगे उपाय करने की जरूरत है। लगभग 5.5 प्रतिशत के केंद्रीय अनुमान के संतुलित जोखिम के साथ जीडीपी वृद्धि 5 से 6 प्रतिशत रहने की संभावना है (चार्ट VII.4)। सीसीआई द्वारा परियोजनाओं को दी गई मंजूरी से अभी तक निवेश में वृद्धि हुई, वैश्विक वृद्धि परिदृश्य में सुधार हुआ और मुद्रास्फीति कम हुई है, 2014-15 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि इस पूर्वानुमान से काफी अधिक हो सकती है।

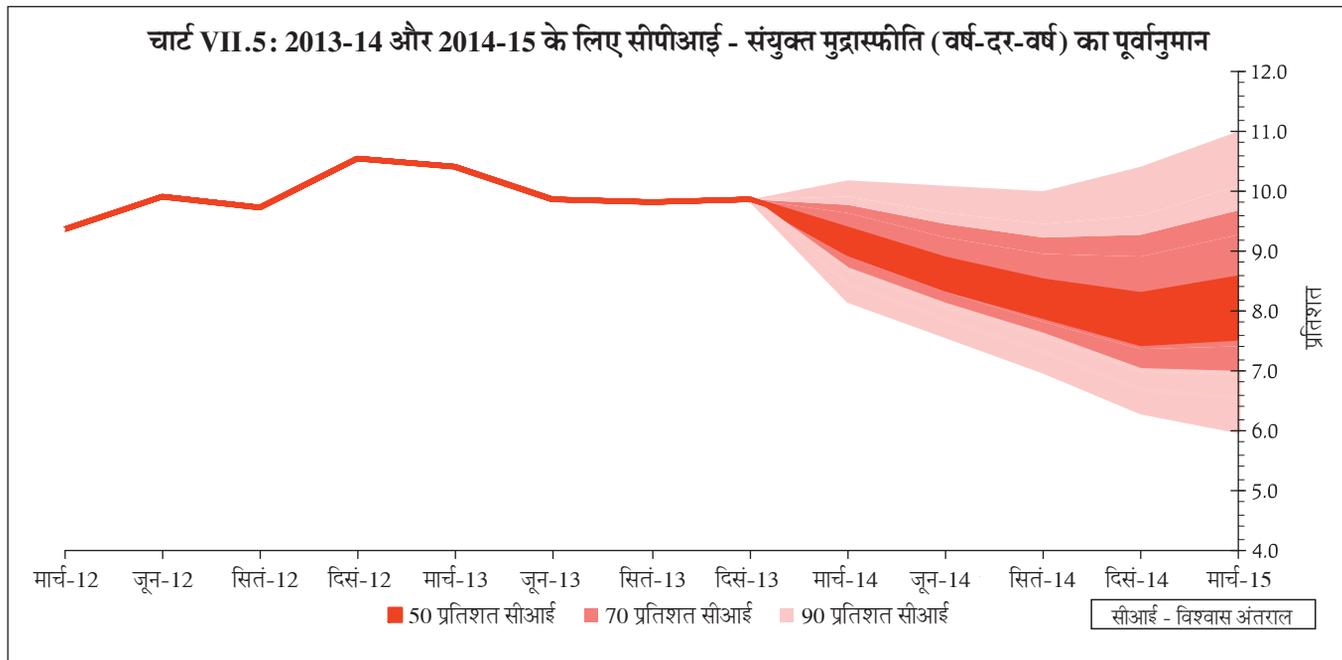
**मुद्रास्फीति परिदृश्य : मुद्रास्फीति में आगे गिरावट आयी किंतु सुखद स्तर से अधिक बनी रही**

**वृद्धि परिदृश्य: अर्थव्यवस्था में 2014-15 में धीमे सुधार के संकेत मिलते हैं**

VII.8 2013-14 की दूसरी छमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि में सुधार की संभावना लगातार दो महीनों में औद्योगिक उत्पादन में प्रतिकूल वृद्धि, सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में मंदी और निजी खपत तथा निवेश मांग में गिरावट के कारण कमजोर हो गई है। कृषि

VII.10 सीपीआई द्वारा मापित फुटकर मुद्रास्फीति 2013-14 की चौथी तिमाही में सब्जियों और फलों की कीमतों में आगे मौसमी कमी आने के चलते वर्तमान स्तर से कम होने की संभावना है। खाद्य और ईंधन मुद्रास्फीति को छोड़कर सीपीआई अधिक बने रहने की आशा है जो कि हेडलाइन मुद्रास्फीति को बने रहने को दर्शाता है। तदनुसार, हेडलाइन सीपीआई मुद्रास्फीति 2013-14 की शेष अवधि में अभी भी 9 प्रतिशत से अधिक बनी रही।





VII.11 2014-15 में, धीमी गति से मुद्रास्फीति कम होना जारी रह सकता है। सामान्य वर्षा के अनुमान के आधार पर, नियंत्रित ईंधन के मूल्यों से मिलने वाला लागत दबाव बढ़ सकता है, बड़ी ग्रामीण मजदूरी, आपूर्ति श्रृंखला बाधाएं और अभी मुद्रास्फीति अधिक बने

रहने की प्रत्याशाओं के चलते, सीपीआई मुद्रास्फीति 2014-15 की चौथी तिमाही में 7.5 प्रतिशत से 8.5 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है, हालांकि यह जोखिम संतुलन के चलते थोड़ा अधिक है (चार्ट VII.5)।